# व्यवस्था सुधारने के लिए मीडिया से सकारात्मक सोच अपनाने का आह्वान

**ज्ञानसरोवर।** **राजस्थान की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अनिता भदेल** ने ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानसरोवर परिसर में 'मूल्य आधारित समाज के लिए मीडिया एजेन्डा की पुनर्रचना' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहलाने वाले मीडिया में हिंसा से सम्बद्ध समाचार प्राथमिकता से प्रस्तुत करने की होड़ लगी है। सोशल मीडिया का ज़माना आ गया, लेकिन इसमें भी कई कमियां हैं जिनके बावजूद लोग उस पर ज़्यादा विश्वास करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पत्रकार को यह सोचना होगा कि समाचार महत्वपूर्ण है या सामाजिक सरोकार। जिस तरह जीवन के हर क्षेत्र में मूल्यों में गिरावट अनुभव की जा रही है, उसे देखते हुए यह ज़रूरी है कि पत्रकार आत्मा की आवाज़ सुनें और समाज को सही दिशा देने के अभियान में ईमानदारी



'मीडिया कॉन्फ्रेन्स एंड रिट्रीट' के उद्घाटन अवसर पर दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. चन्द्रकला, अंशुमन तिवारी, प्रो. कमल दीक्षित, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. आत्मप्रकाश, मंत्री अनिता भदेल, संजीव भानावत तथा अन्य।

से सहयोग करें। व्यवस्था सुधारने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने का जो आह्वान ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा किया जा रहा है, उससे जुड़ना समय की मांग है।

**संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर** ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि चारों तरफ तनाव का माहौल दिखाई दे रहा है। इसे कम करने के लिए ज़रूरी है कि नकारात्मकता को हावी न होने दिया जाए। मीडिया देश के पैंसठ करोड़ युवाओं को सही दिशा निर्देश देकर घर-घर जागृति लाने के लिए संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों में सहभागी बन सकता है। **मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.करुणा** ने कहा कि मीडियाकर्मी अपने व्यवसाय में राजयोग को शामिल करके अपने लक्ष्य को शांति पूर्ण रूप से अर्जित कर सकते हैं। **सोसायटी ऑफ मीडिया इनीशिएटिव फॉर वैल्यूज़** के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मूल्य आधारित समाज की पुनर्रचना के लिए मीडिया को सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है। संवैधानिक अधिकारों का जब सर्वत्र हनन हो रहा नज़र आता है तो यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हमें इस विषय को प्राथमिकता देनी ही होगी। **राजस्थान विश्वविद्यालय में दूरसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव भानावत** तथा **इंडिया टुडे के सम्पादक अंशुमन तिवारी** ने भी मीडिया से सकारात्मकता व सामाजिक सरोकार को अधिक महत्व देने का आह्वान किया।

मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष **ब्र.कु. आत्मप्रकाश** ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय संयोजिका **ब्र.कु.हेमलता** ने सभी को राजयोग द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्र.कु. शान्तनु** ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुम्बई के **सुप्रसिद्ध गायक ओम व्यास** ने गीत प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। प्रारंभ में चण्डीगढ़ से आई बालिका सिमोनी ने जब 'झूम झूम हर कली, बार बार कह चली...' गीत पर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया तो भारत व नेपाल के विभिन्न भागों से आये मीडियाकर्मी झूम उठे।

## संस्थान में पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भव्य स्वागत

**भदोही-उ.प्र.।** मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ के ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पहुँचने पर ब्र.कु. विजयलक्ष्मी ने उनका स्वागत भारतीय संस्कृति के अनुरूप आत्म स्मृति का तिलक और गुलदस्ता भेंट कर किया तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया व ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए की जा रही सेवाओं से भी अवगत कराया। इसके पश्चात् उन्हें माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया और कहा कि आप सभी लोगों से मिलकर हमें जो खुशी हो रही है उससे लगता है कि जैसे मैं भी इस परिवार का एक सदस्य ही हूँ। इसके पश्चात् उन्होंने हाथ हिलाकर सभी



मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को आत्म स्मृति का तिलक लगाते हुए ब्र.कु. विजयलक्ष्मी।

भाई-बहनों का अभिनंदन स्वीकार किया और कहा कि हम बहुत जल्द पुन: भदोही आएंगे और आप सभी लोगों से मिलेंगे। इस अवसर पर भदोही जिले के सांसद, विधायक, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित भारी संख्या में मीडियाकर्मी और शहर के विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे।

### 'गीता का सत्य ज्ञान' विषय पर...

## ज्ञानोदय वर्ष 2018 परियोजना का राष्ट्रीय शुभारंभ

**दिल्ली।** **सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव ने** तालकटोरा स्टेडियम में ब्रह्माकुमारीज़ की 'ज्ञानोदय वर्ष 2018' परियोजना का राष्ट्रीय शुभारम्भ किया। उन्होंने भागवत गीता को ज्ञानोदय का सर्वोच्च स्रोत माना और कहा कि विश्व में शान्ति, प्रेम, मानवता और विश्व बन्धुत्व के लिए कार्य कर रही ब्रह्माकुमारी संस्था में राजयोग मेडिटेशन को व्यवहारिक जीवन में अपनाया जाता है और जिसका लक्ष्य है-आत्मा को पवित्र एवं शक्तिशाली बनाकर सभी समस्याओं का समाधान करना। **भारत के संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री डॉ. महेश शर्मा** ने कहा कि हमें परमपिता परमात्मा द्वारा दिये जा रहे ज्ञान से अपने भीतरी देवत्व को जगाना होगा। हम अनाज, फलों की नई फसल, नई नस्ल, पशुओं की भी नई नस्ल तैयार करते रहते हैं, परन्तु गिरते चरित्र वाले मानव की नस्ल को सुधारने का कार्य






'गीता का सत्य ज्ञान' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. वीणा। मंचासीन ब्र.कु. शुक्ला, ब्र.कु. बृजमोहन, राज्यमंत्री डॉ. महेश शर्मा, पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या, डॉ. पुष्पा पाण्डेय तथा ब्र.कु. आशा।

ब्रह्माकुमारी संस्था बखूबी कर रही है। जबलपुर से आईं गीता विशेषज्ञ **डॉ. पुष्पा पाण्डेय** ने कहा कि हम गीता को सर्व शास्त्रमयी शिरोमणि मानते हैं और सदियों से पढ़ते आ रहे हैं, परन्तु फिर भी गिरावट में ही जा रहे हैं, तो इसका अर्थ ये हुआ कि आज तक हम गीता के सत्य ज्ञान से दूर रहे। पर अब वही गीता ज्ञान और राजयोग की शिक्षा, परमात्मा आकर स्वयं दे रहे हैं। **कर्नाटक से आईं गीता विशेषज्ञ ब्र.कु. वीना** ने कहा कि गीता युद्ध शास्त्र नहीं अपितु गीता योग शास्त्र है और योग द्वारा कर्म में कुशलता, मन और बुद्धि में एकाग्रता, स्थिरता, दृढ़ता और सन्तुलनता प्राप्त होती है। आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस **वी. ईश्वरैय्या** ने कहा कि अब हम सभी देख ही रहे हैं कि ये दुनिया कितनी तमोप्रधान हो गयी है। गीता के अनुसार भगवान के आने का यही समय है क्योंकि गीता में लिखा है ना कि जब-जब धर्म की अति ग्लानि होती है, तब-तब मैं आता हूँ। कर्नाटक, गुलबर्गा ज़ोन में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों के निदेशक **ब्र.कु. प्रेम** ने बताया कि गीता में वर्णित युद्ध विकार और बुराइयों के विरुद्ध अहिंसक लड़ाई है। जिसको परमात्म शक्ति से ही जीता जा सकता है। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के **स्वामी चिदानन्द सरस्वती** ने अपने वीडियो सन्देश के ज़रिये कहा कि माताओं के नेतृत्व में चलायी जा रही यह ब्रह्माकुमारी संस्था पवित्र, सात्विक एवं सन्तुलित जीवन तथा नि:स्वार्थ सेवा सिखाती है। जिससे जीवन में सच्चे सुख और शान्ति की प्राप्ति होती है। ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव एवं मुख्य वक्ता **ब्र.कु. बृजमोहन** ने कहा कि वर्तमान समय में हमें स्वयं की, अर्थात् आत्मा की पहचान कर आत्मा के मूल गुणों सुख, शान्ति, प्रेम, आनन्द, पवित्रता और शक्तियों को पुन: जीवन में लाना होगा, यही ज्ञानोदय है। नॉर्थ दिल्ली के मेयर **आदेश गुप्ता** ने कहा कि जीवन में ज्ञानोदय होने से ही सिद्धार्थ गौतमबुद्ध बने, मोहनदास करमचन्द महात्मा गांधी बने। हर मनुष्य का जीवन तभी सार्थक है जब उसके जीवन में ज्ञानोदय हो। ओ.आर.सी.,गुरूग्राम की निदेशिका **ब्र.कु. आशा** ने कहा कि प्रत्येक समस्या के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार में से एक या उनका मिश्रित रूप ही कारण है। जिनका हल ज्ञानोदय से ही सम्भव है। 'गीता के भगवान द्वारा प्रदत्त सत्य' के विषय पर माउंट आबू से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका **ब्र.कु.उषा** ने कहा कि गीता ज्ञान दाता निराकार परमपिता परमात्मा, ज्ञान सूर्य के अवतरण से ही अज्ञान अन्धकार का नाश और ज्ञान प्रकाश का उदय होता है।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th june 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।